

दवियांग और अक्षम शकिषकों के वीआरएस के लयि गठति होगी कमेटी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के शकिषा मंत्री डॉ. धन सहि रावत ने राजावाला में शकिषा वभिग की ओर से आयोजति दो दविसीय चतिन शविरि के समापन के दौरान दवियांग और अक्षम शकिषकों को वीआरएस देने के लयि अधिकारियों को एक उच्चस्तरीय कमेटी गठति करने के नरिदेश दयि हैं।

प्रमुख बदि

- शकिषा मंत्री ने यह भी कहा कि शकिषा वभिग का प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र के एक स्कूल को गोद लेगा।
- शकिषा मंत्री ने कहा कि शकिषक आचरण नयिमावली का पालन करें। पहले वभिग के सामने उचति फोरम में अपनी बात रखें। यदि इसके बाद भी समस्या का नपिटारा नहीं होता, तो शकिषक शासन स्तर पर अपनी बात रख सकते हैं। कोर्ट किसी समस्या का अंतिम विकल्प हो सकता है।
- शकिषा मंत्री ने कहा कि शकिषा में गुणात्मक सुधार के लयि सबसे पहले अनुशासति होना जरूरी है। वभिग में अनुशासन बनाने के लयि वभिग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा एवं आचरण नयिमावली का पालन करना होगा। कई कार्मिक अपनी बात को उचति फोरम में रखे बिना सीधे कोर्ट पहुँच जाते हैं, जिससे वभिगीय कार्यों में दकिक्त पैदा होती है।
- मंत्री ने कहा कि स्कूलों में कम-से-कम 220 दिने अनविर्य कक्षाएँ चलनी चाहयि। राज्य में अब भी सात प्रतिशत लोग नरिक्षर हैं।
- गौरतलब है कि शकिषा वभिग में पहली बार चतिन शविरि का आयोजन कयिा गया है।